हारे का सहारा श्याम लाज बचाता है

श्याम का भरोसा जिसे नहीं घबराता है,
हारे का सहारा श्याम लाज बचाता है,
श्याम का भरोसा जिसे नहीं घबराता है,

जिसने भी जोड़ा नाता उसका बना ये दाता,
सारे जमा खर्च का ये ही सम्बाले खाता,
उसे कोई चिंता नहीं मौज उड़ाता है,
हारे का सहारा श्याम लाज बचाता है,

टूटी भले हो नैया घनश्याम है खिवैयाँ,
अंधे की लाठी बनता मेरा संवारा कन्हियाँ,
प्रेमियों का मान रखे लाड लड़ाता है,
हारे का सहारा श्याम लाज बचाता है,

चाहे जग बैरी हॉवे न बाल बांका हॉवे,
विष अमृत में ढल जाता पानी में पत्थर तेहरे,
भक्त पुकारे तू ये दौड़ा दौड़ा आता है,
हारे का सहारा श्याम लाज बचाता है,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/9135/title/haare-ka-sahara-shyam-laaj-bachata-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |